मैं वी नचना ए बजरंग नाल

मैं वी नचना ए बजरंग नाल
मैं वी नचना ए बजरंग नाल,नच्चे हनुमान रसिया।।

केसरी किशोर नच्चे, पवन दुलारा।
नच्चे शिव भोला, रघुनाथ प्राण प्यारा।।
नच्चे था थई अंजनी लाल- नच्चे हनुमान रसिया.....

लाल लंगूर दे सिंदूर तन सोहे।
राम नाम अलफी कपीश मन मोहे।।
पैरी घुंगरू हयां च खड़ताल-नच्चे हनुमान रसिया.....

नच्चे हनुमान नच्चे कपिदल सारा।
हर हर महादेव गूंजदा जयकारा।।
फड़ी हथां विच धजा लाल लाल-नच्चे हनुमान रसिया.....

कवि कोविद संगीत रसीला।
बड़ी प्यारी लगदी "मधुप" हरि लीला।।
प्यारे लगदे ने ढोलां दे ताल-नच्चे हनुमान रसिया.....।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33237/title/main-vi-nachna-e-bajrang-naal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |